बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम की फजिलत और बरकत

शैख मुहम्मद इशाक मुलतानी.

नोट: आप से दरखास्त है की इसे भाषा या ग्राम्मर का अदब ना समझे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

●बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम की फजिलत

नबी करीम صلى الله عليه وسلم ने इरशाद फरमाया मुझ पर एक ऐसी आयत उतरी हे कि जो हजरत सुलैमान(अलै) के सिवाय किसी नबी पर ऐसी आयत नही नाजिल हुई और वो आयत हे बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम, हजरत जाबीर(रदी) फरमाते हे कि जब ये आयत उतरी तो,

१. बादल मशरिक की तरफ छट गये.

२. हवाये रूक गई.

३. समन्दर ठेर गया.

४. जानवरो ने कान लगा लिये.

५. शैतानो पर आसमान से शोले गीरे.

६. अल्लाह ने अपनी इज्जत और जलाल की कसम खाकर इरशाद फरमाया कि जिस चीझ पर मेरा नाम लिया जायेगा उसमे जरूर बरकत होगी.

इबने मसुद (रदी) फरमाते हे जहन्नम के १९ नीगरानो से बचना चाहे वो बिस्मिल्लाहीर रहमान्नीर रहीम पढे, इसके १९ हूरूफ हे, हर हर्फ पर एक फरिश्ता आड बन जायेगा.

मुसनदे अहमद मे हे नबी करीम صلى الله عليه وسلم की सवारी जरा फिसली आप के पीछे सवारी पर बेठे सहाबी ने कहा शैतान का नास हो, नबी करीम صلى الله عليه وسلم ने फरमाया कि ये मत कहो, इससे शैतान फूलता हे, और ये खयाल करता हे कि उसने अपनी ताकत से गिराया हे, हा बिस्मिल्लाह कहने से वो मख्खी की तरह जलील और छोटा हो जता हे.

एक हदीस मे हे कि जिस काम को बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम से शुरू ना किया जाये वो बे-बरकत हो जता हे. (तफसीर इबने कसीर)

●बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम की बरकत

एक औरत का शोहर मुनाफिक था और इस औरत की ये हालत ये थी कि हर काम बिस्मिल्लाह से शुरू करती, उस्के शोहर को ये बात ना-पसंद थी, उसने सोचा की कभी मे उसे शरमिन्दा करूगा.

चुनांचे उसने अपनी बीवी को एक थेली दी, और उससे कहा कि इस्को महफूज रखना, इस औरत ने उसको एक जगह रख कर छुपा दिया, शोहर ने

औरत को गाफिल देख कर वो थेली और जो कुछ उसमे था ले लीया, और उसको कुंवे मे फेंक दिया, जो उस्के घर मे था, इसके बाद उसने वो थेली मांगी. जब वो औरत उस थेली की जगह आई और बिस्मिल्लाह कहा तो अल्लाह ने हजरत जिबराइल(अलै) को हुकम दिया कि जल्दी नीचे उतरो और और उस थेली को उसकी जगह मे लोटा दे, तो उस औरत ने अपना हाथ उस जगह रखा ताकी उसको लेले, चुनांचे जिस तरह उसको रखा था उसी तरह इस्को मिल गया, ये देख कर उस्के शोहर को ताजुब हुवा, और अल्लाह से तौबा कर के उसकी तरफ रूजू किया. (कलयूबी)

हवाला: एक हज़ार अनमोल मोती उर्दु से मज़मून का खुलासा लिप्यान्तरण किया गया हे.